51. Swami Tapananda, Secretary, Ramakrishna Mission Tuberculosis Sanatorium, Ranchi.

52. Swami Swarupananda/Brother Asita Chaitanya, Secy./Jt. Secy. Rama Krishna Ashram, Gwalior.

53. Swami Amritarupananda, Monk of R. K. Mission Vivekananda Society, Jameshedpur.

54. Two Sisters of Missioneries of Charity, Delhi-54.

55. General Secretary, R. K. Mission Belurmath, Howrah — four persons one to travel at a time.

56. Shri Nanaji Deshmukh, Ex-MP, Founder President Deen Dayal *Research Institute, New Delhi.*

Appointment of an arbitrator in the case of Meridien Hotel, New Delhi

241. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state whether it is a fact that owners of Meridien Hotel have requested to appoint an arbitrator to settle their dispute with NDMC; if so, the details thereof?

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI MURASOLI MARAN): Yes, Sir.

M/s Meridien Hotel have filed a suit under section 20 of the Arbitration Act before the Hon'ble High Court of Delhi for appointment of an arbitrator.

Amendment of Urban Land Ceiling Act

242. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether any representations/ suggestion have been received from any State Government to bring any amendment to the Urban Land Ceiling Act; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI MURASOLI MARAN): (a) Yes, Sir.

(b) The suggestions mainly relate to amendment of definitions of certain terms used in the Act such as 'family', 'vacant land', 'land appurtenant' etc. with a view to removing the ambiguities, procedural refiements, increasing the amount payable for the excess vacant land acquired by and vesting in the State Government under the Act, delegation of certain powers to the State Governments, non-application of the Act to agricultural lands etc.

243. [*Transferred to the 15th May, 1990.*]

शाहगंज जंक्शन से मऊ जंक्शन तक छोटी लाइन का बड़ी लाइन में परिवर्तित किया जाना

244. **श्री राम नरेश यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने शाहगंज जंक्शन से मऊ जंक्शन तक छोटी रेल लाइन को बड़ी लाइन मे परिवर्तित करने का निर्णय लिया है, यदि हां, तो यह कार्य कब तक प्रारंभ होने की संभावना है और यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं; और

(ख) क्या सरकार लोगों की मांगों को ध्यान मे रखते हुए सरयू-यमुना एक्सप्रेस को फैजाबाद होते हुए दिल्ली से वाराणसी तक सप्ताह मे तीन बार के स्थान पर प्रतिदिन चलाने का विचार रखती है, यदि नही, तो उसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री अजय सिंह) : (क) संसाधनों की तंगी और भारी वचनबद्धताओं के हाथ मे होने के कारण शाहगंज-मऊ मीटर लाइन को बड़ी लाइन में बदलने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख) जी नहीं । इससे लखनऊ-गोरखपुर-मुजफ्फरपुर खंड के यात्री सप्ताह में चार दिन चलने वाली गाड़ी सेवा से वंचित हो जायेंगे । अतः इसका उनके द्वारा विरोध किया जायेगा ?

245. [Transferred to the 14th May, 1990.]

Extension of railway lines in North Eastern Region

246. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have formulated any plan to extend rail lines to these places in North Eastern Region which have not such facilities at present; and

(b) if so, the details of the proposals formulated?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI AJAY SINGH): (a) and (b) Extension of the existing Railway network in the North Eastern Region has been approved and the construction of six new line projects, totalling 323 Km has been taken up in the Region. The details of these lines are as under:—

	Name of project	Length (in kms)	Estimated cost (Rs. in crores)	
1.	Dharmanagar– Kumarghat M.G. line	33	43.93	since opened.
2.	Balipara– Bhalukpong M.G. line	35.46	14.18	since opened.
3.	Silchar– Jiribam M.G. line	49.16	41.09	since opened.
4.	Amguri–Tuli M.G. line	15	8.78	
5.	Lalabazar– Bhairabi M.G. line	48	38.98	partly opened.
6.	Jogighopa– Guwahati BG line with a rail-cum-road bridge across river Brahmaputra at Jogighopa	142	388	

दलहनों का उत्पादन

247. **श्री राम नरेश यादव** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1989-90 के वर्ष के लिए दलहनों के उत्पादन का क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया था । और क्या वह लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है; यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ख) क्या सरकार ने देश में दलहनों की मांग को ध्यान में रखते हुए दलहनों के उत्पादन को बढ़ाने की कोई विशेष नई योजना बनाई है ; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री नितिश कुमार) : (क) 1989-90 के दौरान 14.75 मिलियन मीटरी टन का उत्पादन लक्ष्य निर्धारित किया गया है । वर्तमान अनुमान अनुसार, 1989-90 में दालों का उत्पादन 14.0 से 14.50 मिलियन मीटरी टन तक होने का अनुमान है । उत्पादन में कमी प्रमुख दलहन उत्पादन राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और मध्य प्रदेश में बुआई के समय आर्द्रता के दबाव की स्थिति की वजह से हो सकती है ।

(ख) दालों का उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार दो योजनाएं यथा राष्ट्रीय